कक्षा-X हिंदी 'अ'
कोड संख्या-002
प्रश्न-पत्र प्रारूप 2010

प्रश्नों के प्रकार	खंड 'क' अपठित बोध	खंड 'ख' रचना	खंड 'ग' व्यावहारिक व्याकरण	खंड 'घ' पाठ्य-पुस्तकें	विशेष टिप्पणी
अतिलघूत्तरात्मक	गद्यांश 6(6) काव्यांश 6(6)		क्रिया पद 2(2) विशेषण/अव्यय 2(2) पद परिचय 2(2) वाक्य-भेद 3(3) वाच्य 3(3) अलंकार 3(3)	काव्य सराहना 5(5)	भाव ग्रहण भाव ग्रहण बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग बोध, अभिव्यक्ति
लघूत्तरात्मक प्रश्न	गद्यांश 6(3) काव्यांश 2(1)			काव्यांश पर प्रश्न 6(3) कविताओं की विषयवस्तु / मूल्य संदेश पर प्रश्न 9(3) गद्य पाठों पर तर्क/विश्लेषण संबंधी प्रश्न 9(3) पाठों के विचार पर -5(2) गद्यांश पर आधारित 6(3) अर्थग्रहण संबंधी पूरक-पुस्तक की विषयवस्तु पर-6(3)	भाव ग्रहण बोध, लेखन अभिव्यक्ति भाव ग्रहण बोध, लेखन अभिव्यक्ति बोध, लेखन अभिव्यक्ति बोध, लेखन अभिव्यक्ति बोध, लेखन और अभिव्यक्ति
निबंधात्मक प्रश्न		निबंध 10(1) पत्र 5(1)		कृतिका के पाठों पर -4(1)	

प्रश्न संख्या कोष्ठक के भीतर और अंक कोष्ठक के बाहर हैं।

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-1

कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'अ')

समयः 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	**20**
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :**	**12**
i)	समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ एवं दु:ख और कष्ट हमारे शत्रु हैं, जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेज़ी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि ''कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं किन्तु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।''	
ii)	विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त, अमरीका के निर्माता जॉर्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है। इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परन्तु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अन्त में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।	
iii)	समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय हैं यदि समस्याएँ न हों, तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। ये समस्याएँ वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभरकर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन हैं पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखे व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।	
iv)	दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं - प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह सन्देश दिया था - तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा। हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	विमुख होना लौकिक व पारलौकिक सभी दृष्टियों से अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए, दृढ़-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय-रथ पर चढ़ जाएँ और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए। (स्रोत - प्रतियोगिता दर्पण, शब्द सं-330)	
i)	मनुष्य के जीवन में सबसे जरूरी क्या है और क्यों?	1
ii)	महापुरुषों का जीवन क्या संदेश देता है?	2
iii)	समस्याओं से क्या तात्पर्य है?हमें उनका समाधान कैसे करना चाहिए?	2
iv)	मनुष्य का विकास कब रुक जाता है?	1
v)	उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।	1
vi)	अंतिम अनुच्छेद में 'विजय रथ' को किसका रूप माना है?	1
vii)	निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी छाँटकर लिखिए - i) प्रसिद्ध (अनुच्छेद-i) ii) पक्का निश्चय (अनुच्छेद-iv)	1
viii)	निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी छाँटकर लिखिए - i) सक्रिय (अनुच्छेद-iii) ii) पराजेय (अनुच्छेद-ii)	1
ix)	निम्नलिखित शब्दों में आए उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए - i) उत्तरदायित्वपूर्ण ii) पारलौकिक	2
2.	**दिए गए काव्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें -** नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर हैं, सूर्य चंद्र युग-मुकुट, मेखला रत्नाकर हैं, नदियाँ प्रेम-प्रवाह, फूल तारे मंडल है, बंदीजन खग-वृंद, शेषफन सिंहासन है करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेश की हे मातृभूमि! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की;	**8**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	जिसकी रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं, घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं, परमहंस सम बाल्यकाल में सब, सुख पाए, जिसके कारण 'धूल भरे हीरे कहलाए, हम खेले-कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में हे मातृभूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है, शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है, षट्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अद्‌भुत क्रम है, हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है, शुचि-सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्रप्रकाश है हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है जिस पृथ्वी में मिले हमारे पूर्वज प्यारे, उससे हे भगवान! कभी हम रहें न न्यारे, लोट-लोट कर वहीं हृदय को शांत करेंगे उसमें मिलते समय मृत्यु से नहीं डरेंगे, उस मातृभूमि की धूल में, जब पूरे सन जाएँगे होकर भव-बंधन-मुक्त हम, आत्मरूप बन जाएँगे।	
i)	प्रस्तुत काव्यांश में 'हरित पट' किसे कहा गया है?	1
ii)	कवि अपने देश पर क्यों बलिहारी जाता है?	1
iii)	कवि अपनी मातृभूमि के जल और वायु की क्या-क्या विशेषता बताता है?	1
iv)	कविता की जिन पंक्तियों में कवि का अतीत के प्रति प्रेम प्रकट हुआ है उन्हें छाँटकर लिखिए।	1
v)	मातृभूमि को ईश्वर का साकार रूप किस आधार पर बताया गया है?	1
vi)	धूल भरे हीरे किन्हें कहा गया है?	1
vii)	प्रस्तुत कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।	2
	अथवा	
	आज सवेरे जब बसंत आया उपवन में चुपके-चुपके कानों ही कानों मैंने उससे पूछा, ''मित्र! पा गए तुम तो अपने यौवन का उल्लास दुबारा	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	गमक उठे फिर प्राण तुम्हारे, फूलों-सा मन फिर मुसकाया पर साथी क्या दोगे मुझको? मेरा यौवन मुझे दुबारा मिल न सकेगा?'' सरसों की उंगलियाँ हिलाकर संकेतों में वह यों बोला, मेरे भाई! व्यर्थ प्रकृति के नियमों की यों दो न दुहाई, होड़ न बाँधो तुम यों मुझसे। जब मेरे जीवन का पहला पहर झुलसता था लपटों में, तुम बैठे थे बंद उशीर पटों से घिरकर। मैं जब वर्षा की बाढ़ों में डूब-डूब कर उतराया था तुम हँसते थे वाटर-प्रूफ़ कवच को ओढ़े। और शीत के पाले में जब गलकर मेरी देह जम गई तब बिजली के हीटर से तुम सेंक रहे थे अपना तन-मन जिसने झेला नहीं, खेल क्या उसने खेला? जो कष्टों से भागा, दूर हो गया सहज जीवन के क्रम से, उसको दे क्या दान प्रकृति की यह गतिमयता यह नव बेला। पीड़ा के माथे पर ही आनंद तिलक चढ़ता आया है मुझे देखकर आज तुम्हारा मन यदि सचमुच ललचाया है तो कृत्रिम दीवारें तोड़ो बाहर जाओ, खुलो, तपो, भीगो, गल जाओ आँधी तूफानों को सिर लेना सीखो जीवन का हर दर्द सहे जो स्वीकारो हर चोट समय की	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	जितनी भी हलचल मचनी हो, मच जाने दो रस–विष दोनों को गहरे में पच जाने दो तभी तुम्हें भी धरती का आशीष मिलेगा तभी तुम्हारे प्राणों में भी यह पलाश का फूल खिलेगा।	
i)	उपवन से कवि ने क्या माँगा?	1
ii)	धरती का आशीष मानव को कब सुलभ हो सकता है?	1
iii)	प्रकृति की गतिमयता और नवीनता पाने का अधिकारी कौन है?	1
iv)	मानव ने अपने को किन कृत्रिम दीवारों में कैद कर रखा है?	1
v)	''पीड़ा के माथे पर ही आनंद तिलक चढ़ता आया है'' – पंक्ति में 'आनंद तिलक' से कवि का क्या तात्पर्य है?	1
vi)	'कृत्रिम दीवारें तोड़ने' से कवि का क्या आशय है?	1
vii)	'सिर पर लेना' मुहावरे का अर्थ बताइए।	1
viii)	उपर्युक्त काव्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।	1
	खण्ड 'ख'	**15**
3.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए –**	10
क)	आज समाज में नारी की स्थिति कितनी बदली है?क्या आज भी उसका कार्यक्षेत्र घर की चारदीवारी है?नारी की स्थिति को बदलने में किस–किस की महत्वपूर्ण भूमिका है? अपने परिवेश से जुड़े उदाहरण देते हुए नारी की वर्तमान स्थिति का वर्णन कीजिए।	
ख)	आपके विचार में आधुनिकता क्या है? क्या आधुनिकता सोचने के ढंग से जुड़ी है या पहनने–ओढ़ने के तरीके से?	
ग)	आपने हाल ही में एक नृत्य और संगीत का रंगारंग कार्यक्रम देखा है इस कार्यक्रम को देखकर आपको कैसा लगा? अपनी अनुभूति को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।	
4.	**अपने विद्यालय के शारीरिक रूप से चुनौती पूर्ण विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसर और कक्षा कक्ष में विशेष सुविधाओं की उपलब्धता के लिए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।**	5
	अथवा	

प्र.सं.	प्रश्न		अंक
	आपने हाल में एक फिल्म देखी है जो आपको बहुत पसंद आई है। आप अपने दोस्त को इसके बारे मे एक पत्र लिखें।		
	खण्ड 'ग'		**15**
5.	**(i)**	**निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों के क्रियापद छाँटकर उनका क्रिया-भेद भी लिखिए -**	2
	(क)	जेब से चाकू निकाला।	
	(ख)	आशीर्वाद सोता है।	
	(ग)	मैंने पुस्तक खरीद ली।	
	(ii)	**निर्देशानुसार उत्तर लिखिए -**	2
	(क)	बच्चे .... घूम रहे थे।	
	(उचित क्रिया विशेषण अव्यय से रिक्त स्थान भरिए तथा भेद बताइए)		
	(ख)	मेरी कक्षा में चालीस छात्र पढ़ते हैं।	
	(विशषण शब्द छाँटिए तथा उसका भेद लिखिए)		
6.	**(iii)**	**रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए -**	2
	(क)	शिवा <u>दूध</u> पी रहा था।	
	(ख)	शशि <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ती है।	
7.	**(iv)**	**निर्देशानुसार वाक्य बदलिए -**	3
	(क)	टोपी वाला बाबू कहाँ गया?(मिश्रवाक्य में)	
	(ख)	छात्र परिश्रम करने से जीवन में सफल होते हैं। (संयुक्त वाक्य में)	
	(ग)	राधा पाठ पढ़कर सो गई। (रचना के आधार पर वाक्यभेद बताइए)	
8.	**(v)**	**निर्देशानुसार वाच्य बदलिए -**	3
	(क)	देव पुस्तक पढ़ता है। (कर्मवाच्य में)	
	(ख)	ईना नहीं सोती। (भाववाच्य में)	
	(ग)	पक्षियों से आकाश में उड़ा जाता है। (कर्तृवाच्य में)	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
9.	**(vi) निम्नलिखित पंक्तियों को ध्यान से पढ़कर अलंकारों के नाम लिखिए -**	3
	(क) बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा।	
	(ख) 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।	
	(ग) काली घटा का घमंड घटा।	
	खण्ड 'घ'	**50**
10.	**निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक के पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -(2x3)**	**6**
(क)	हमारैं हरि हारिल की लकरी। मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी। जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री। सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी। सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी। यह तौ 'सूर' तिनहिं लैं सौंपौ, जिनके मन चकरी।	
(i)	गोपियों ने कृष्ण को किसके समान कहा और क्यों?	2
(ii)	योग संदेश के बारे में गोपियों की धारणा क्या है?	2
(iii)	गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है? और क्यों?	2
	अथवा	
(ख)	कितना प्रामाणिक था उसका दुख लड़की को दान में देते वक्त जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो लड़की अभी सयानी नहीं थी अभी इतनी भोली सरल थी कि उसे सुख का आभास तो होता था लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की	
(i)	प्रस्तुत पंक्तियों में किसके दुख की बात हो रही है और क्यों?	2
(ii)	इन पंक्तियों को पढ़कर लड़की की जो छवि आपके सामने उभरकर आ रही है उसे शब्दबद्ध कीजिए।	2
(iii)	माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही थी?	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (3+3+3)	**9**
(क)	कभी-कभी तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नज़र आता है उस समय संगतकार उसे बिखरने से बचा लेता है। इस कथन के आलोक में संगतकार की विशेष भूमिका को स्पष्ट कीजिए।	
(ख)	**'छाया मत छूना'** कविता में 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?	
(ग)	आपके विचार से फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि हमें क्या संदेश देना चाहता है?	
(घ)	बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए क्यों कहा गया? तर्कसहित उत्तर दीजिए।	
12.	**निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**(1x5)	**5**
(क)	लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा।। अपने मुख तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी।। नहिं संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।। बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।। सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु। बिद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।	
i)	प्रस्तुत पंक्तियों में किस रस की अनुभूति होती है?	1
ii)	इस काव्यांश में कौन-कौन से छंदों का प्रयोग हुआ है?	1
iii)	इस काव्यांश से अनुप्रास अलंकार छाँटकर लिखिए।	1
iv)	प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसे संबोधित कर रहा है?	1
v)	यह काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?	1
	अथवा	
(ख)	मधुप गुनगुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी, मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी। इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती। तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे - यह गागर रीति।	
(i)	प्रस्तुत कांव्यांश में मधुप किसका प्रतीक है?	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(ii)	प्रस्तुत काव्यांश किस युग की रचना है?	1
(iii)	काव्यांश किस शैली में रचा गया है?	1
(iv)	प्रस्तुत काव्यांश से अलंकार छाँटकर लिखिए तथा नाम भी बताइए।	1
(v)	काव्यांश की भाषा लिखिए।	1
13.	**निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (2x3)	**6**
(क)	शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती - थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।	
(i)	प्रस्तुत अवतरण में किसके व्यक्तित्व की बात की जा रही है? क्या कारण थे जिनसे उस व्यक्तित्व की विशेषताएँ कम होती गईं?	2
(ii)	माँ क्यों काँपती-थरथराती रहती थीं?	2
(iii)	'आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले .... उसकी चपेट में आते ही रहते।' उपर्युक्त पंक्ति का आशय अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	2
	अथवा	
(ख)	सोचा आज वहाँ रूकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे। लेकिन आदत से मजबूर आँखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ़ उठ गईं। कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको। जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे। रास्ता चले लोग देखने लगे। जीप रुकते न रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज़-तेज़ कदमों से मूर्ति की तरफ़ लपके और उसके ठीक सामने अटेंशन में खड़े हो गए। मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भावुक हैं। इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं।	
(i)	हालदार साहब रुकना क्यों नहीं चाहते थे?	2
(ii)	क्या देखकर हालदार साहब चीखे और क्यों?	2
(iii)	पंक्तियों के आधार पर हालदार साहब की दो विशेषताएँ बताइए।	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** (3+3+3)	9
(क)	लेखक यशपाल को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए।	
(ख)	'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे मन से संन्यासी नहीं थे?	
(ग)	'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं' - कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है? अपने शब्दों में लिखिए।	
(घ)	बिस्मिल्ला खाँ के चरित्र की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनसे आप बहुत अधिक प्रभावित हुए।	
15.	**(क) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।**	2
	(ख) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।	3
16.	**किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए -**	4
(क)	मैं क्यों लिखता हूँ? - पाठ केआधार पर बताइए कि - हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह से हो रहा है? आप इसे रोकने के लिए क्या-क्या कर सकते हैं?	
(ख)	'और देखते ही देखते नई दिल्ली का काया पलट होने लगा' - नई दिल्ली के काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के संदर्भ में अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर उत्तर दीजिए।	
17.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** (2+2+2)	6
(क)	'साना साना हाथ जोड़ि' - पाठ के आधार पर बताइए कि कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?	
(ख)	'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि अखबारों ने जिंदा नाक लगने की खबर को किस तरह प्रस्तुत किया?	
(ग)	'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि माँ भोलानाथ को किस प्रकार कन्हैया बनाती?	
(घ)	'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!' पाठ के आधार पर बताइए कि संपादक ने यह क्यों कहा कि शर्मा द्वारा लिखी रिपोर्ट सच है, पर छप नहीं सकती?	

अंक योजना

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-1

कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'अ')

समय: 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु			अंक
	खण्ड 'क'			
1.	**अपठित गद्यांश बोध -**			
i)	मनुष्य के जीवन में सबसे ज़रूरी है कर्म पथ पर चलना, निरंतर कर्म करते रहना क्योंकि संघर्ष ही हमें सदैव विजयी बनाता है।			1
ii)	महापुरुषों का जीवन हमें यह संदेश देता है कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता एवं अपराजेय व्यक्तित्व है। संघर्ष से हमें डरना नहीं चाहिए।			2
iii)	समस्याएँ जीवन का पर्याय हैं, वे हमें निरंतर कर्मशील बनाए रखती हैं। हमें उनका समाधान सोच-समझकर धैर्यपूर्वक करना चाहिए।			2
iv)	मनुष्य का विकास तब रूक जाता है जब वह समस्याओं से घबरा जाता है और उनसे मुख मोड़ने लगता है।			1
v)	संघर्ष: सफलता का आधार।			1
vi)	विजय रथ को संघर्ष का रूप माना गया है।			1
vii)	i) यशस्वी	ii) दृढ़-संकल्प		1
viii)	i) निष्क्रिय	ii) अपराजेय		1
ix)	i) उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय	2
	उत्तर	दायित्व	पूर्ण	
	ii) पार	लोक	इक	
2.	i) हरित-पट शस्य श्यामला धरती, वन वनस्पति और चहुँ ओर फैली हरियाली के लिए कहा गया है।			1
	ii) इसके अनुपम, अतुलनीय सौन्दर्य के कारण हरीतिमा भरे वातावरण के कारण उपयोगी नदियों व रत्नाकर द्वारा प्रदान की जाने वाली अमूल्य संपदा के कारण कवि अपने देश पर बलिहारी जाता है। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित है) (½ + ½)			1

प्र.सं.		उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
	iii)	यहाँ का जल अत्यंत शीतल एवं स्वच्छ है, निर्मल है तथा वायु मंद, सुगंधित तथा शीतलता प्रदान करने वाली है।	1
	iv)	अतीत के प्रति प्रेम प्रकट करने वाली पंक्ति 'जिस पृथ्वी में मिले हमारे पूर्वज प्यारे'।	1
	v)	मातृभूमि ईश्वर का साकार रूप है, सूर्य व चाँद इसके मुकुट के समान एवं शेषनाग का फन इसके सिंहासन की भाँति है, इस का अभिषेक निरंतर बादल करते हैं, पक्षियों का समूह निरंतर इसका गुणगान करता है, अनेक नदियाँ इसका सिंचन करती हैं।	2
		(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख करने पर एक अंक दिया जाएगा।)	
	vi)	धूल भरे हीरे अर्थात् मातृभूमि की योग्य एवं अमूल्य संतानें।	1
	vii)	प्रस्तुत कविता का मूल भाव यह है कि हमारी मातृभूमि के अनुपम व अतुलनीय सौन्दर्य पर हम बार-बार बलिहारी जाते हैं।	1
		अथवा	
	i)	उपवन से कवि ने अपने यौवन का उल्लास माँगा।	1
	ii)	धरती का आशीष मनुष्य को सुलभ तभी होता है जब सुख व दुख दोनों को ही वह समान दृष्टि से देखे, दोनों का सामना करे।	1
	iii)	प्रकृति की गतिमयता और नवीनता पाने का अधिकारी वही है जो जीवन को सहजता से जिए, उसका सामना करे।	1
	iv)	ये कृत्रिम दीवारे हैं - समस्त सुख-सुविधा प्रदान करने के साधन, बिजली के हीटर, ठंडी वायु प्रदान करने वाले आधुनिक उपकरण आदि।	1
	v)	''आनंद तिलक'' अर्थात् विजय-अभिनंदन का आनंद, संघर्ष करने वाला व्यक्ति ही विजयी होता है और आनंद प्राप्त करता है।	1
	vi)	कृत्रिम दीवारें तोड़ने से आशय है कि जीवन के बनावटीपन व दु:खों से दूर भागने की सभी प्रवृत्तियों को त्यागना।	1
	vii)	सिर पर लेना अर्थात् 'सामना करना'।	1
	viii)	उपयुक्त शीर्षक : 'आनंद का वास्तविक अधिकारी' (अन्य उचित शीर्षक भी स्वीकार किए जाएँ)	1
		खण्ड 'ख'	
3.	**निबंध लेखन**		
क)	i)	भूमिका	1

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक

	ii) विचार बिंदुओं का विषयानुरूप विवेचन
	• प्राचीन समय में नारी को शिक्षा का अधिकार नहीं।
	  • महत्त्वपूर्ण कार्यों में निर्णय और योगदान का अधिकार नहीं
	  • पूर्णतः दूसरों पर आश्रित
	  • स्वतंत्र रूप से कार्य न कर पाना
	  • शारीरिक और मानसिक रूप से पीड़ित
	  • केवल चारदीवारी ही उसका कार्यक्षेत्र
	• आज नारी शिक्षित है, पूर्णतः स्वतंत्र है
	  • आत्मनिर्भर है, महत्त्वपूर्ण निर्णयों का अधिकार है विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर भी आसीन है समाज और राष्ट्रनिर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है
	  • महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त महिलाओं के उदाहरण दिए जाएँ
	  • विद्यार्थी के परिवेश के सभी उदाहरणस्वीकार्य हों।
	(किन्हीं छह बिंदुओं पर पूरे छह अंक दिए जाएँ तथा विद्यार्थी के अपने मौलिक विचार को अधिक महत्त्व दिया जाए)
		6

	iii) उपसंहार	1
	iv) भाषा शैली	2
ख)	i) भूमिका	1
	ii) विचार-बिंदु	6
	iii) उपसंहार	1
	iv) भाषा शैली	2
	• समय और परिस्थिति के अनुरूप परिवर्तन, विकास की ओर अग्रसर होना, बदलते समय के अनुरूप जीवन मूल्यों में बदलाव आदि। (किन्हीं छह बिंदुओं पर पूरे 6 अंक दिए जाएँ तथा विद्यार्थी के मौलिक विचार को अधिक महत्त्व दिया जाए)	
ग)	i) भूमिका	1
	ii) विचार-बिंदु	6

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
	iii) उपसंहार	1
	iv) भाषा शैली	2
	• विभिन्न कलाकारों द्वारा नृत्यों की प्रस्तुति	
	• मनमोहक ढंग से मंचन	
	• सुंदर और चित्ताकर्षक भाव भंगिमाएँ	
	• मनभावन संगीत	
	• प्रस्तुति का आँखों देखा वर्णन अपने शब्दों में विद्यार्थी अभिव्यक्त करेंगे। विद्यार्थियों की मौलिक अभिव्यक्ति पर पूरे 6 अंक दिए जाएँ।	
4.	पत्र-लेखन	**5**
	i) पत्र औपचारिकताओं के लिए	1½
	ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री	2½
	• विशेष फर्नीचर	
	• भूतल पर कक्षा कक्ष तथा रैम्प निर्माण, व्रत-सामग्री, पढ़ने की सुविधा	
	• विशेष प्रसाधन कक्ष	
	• खेलकूद की व्यवस्था	
	• स्वास्थ्य संबंधी सुविधा आदि	
	iii) अच्छी भाषा और मौखिक प्रस्तुति	1
	अथवा	
	i) पत्र औपचारिकताओं के लिए	1½
	ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री	2½
	• पहले देखी यह फिल्म से तुलना, फिल्म की कहानी का ठीक ठीक वर्णन फिल्म के अच्छा लगने की वजहों का उल्लेख	
	iii) सुंदर भाषा और प्रस्तुति	1
5.	(i) (क) निकाला। - सकर्मक क्रिया।	1
	अथवा	
	(ख) सोता है। - अकर्मक क्रिया/संयुक्त क्रिया	1

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
	(ग) खरीद ली। – संयुक्त क्रिया / सकर्मक क्रिया	1
	(क) बच्चे <u>बाहर</u> घूम रहे थे। (स्थानवाचक क्रिया विशेषण)	1
	(ख) विशेषण शब्द – चालीस, भेद – निश्चित संख्यावाचक विशेषण	1
6.	(iii) शब्दों का व्याकरणिक परिचय –	2
	(क) 'दूध' – जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।	
	(ख) दसवीं – संख्यावाची विशेषण, क्रमसूचक 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण, स्त्रीलिंग।	
7.	(iv) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन –	3
	(क) मिश्रवाक्य – वह बाबू कहाँ गया, जिसने टोपी पहन रखी है।	
	(ख) संयुक्त वाक्य – छात्र परिश्रम करते हैं और जीवन में सफल होते हैं।	
	(ग) वाक्य-भेद – सरल वाक्य।	
8.	(v) निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन –	3
	(क) कर्मवाच्य – देव से पुस्तक पढ़ी जाती है।	
	(ख) भाववाच्य – ईना से सोया नहीं जाता।	
	(ग) कर्तृवाच्य – पक्षी आकाश में उड़ते हैं।	
9.	(vi) अलंकार	3
	(क) बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा।	
	'ब' वर्ण की आवृति होने के कारण – अनुप्रास अलंकार।	
	(ख) चाँटी ज्यौं पागी! – में उपमा अलंकार है।	
	(ग) काली घटा का घमंड घटा – यमक अलंकार	
	(i) घटा – बादल।	
	(ii) घटा – कम होना।	
	इसलिए इस पंक्ति में यमक अलंकार की छटा है।	

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड 'घ'	
10.	(क)(i) गोपियों ने कृष्ण को हारिल पक्षी की लकड़ी के समान कहा है। जैसे हारिल पक्षी (1+1) अपने पंजों से लकड़ी को नहीं छोड़ता वैसे ही गोपियाँ श्रीकृष्ण को नहीं छोड़ सकती। मन, वचन और कर्म से कृष्ण की भक्ति को गोपियों ने दृढ़ता से पकड़ा हुआ है।	2
	(ii) गोपियाँ कृष्ण के प्रेम में पूर्ण रूप से आसक्त हैं उन्हें उद्धव द्वारा दिया गया योग (1+1) संदेश कड़वी ककड़ी के समान निरर्थक लगता है। योग संदेश एक ऐसी बीमारी है जिसके बारे में गोपियों ने न कभी सुना तथा न कभी देखा।	2
	(iii) गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा ऐसे लोगों को देने की बात कही है जिनका मन चकरी की तरह चंचल है। गोपियों का मन कृष्ण-भक्ति में स्थिर है इसलिए वह किसी भी परिस्थिति में कृष्ण-भक्ति छोड़ योग-साधना अपना नहीं सकती।	2
	अथवा	
	(ख)(i) प्रस्तुत पंक्तियों में माँ के दुख की बात हो रही है। माँ बेटी का कन्यादान कर (1+1) रही है।	2
	(ii) लड़की भोली और सरल स्वभाव की थी। वह अभी सयानी भी नहीं हुई। उसे सुख का आभास था लेकिन दुख बाँटना नहीं आता था।	2
	(iii) बेटी माँ के सबसे निकट और उसके सुख-दुख की साथी होती है। इसी कारण उसे अंतिम पूँजी कहा गया है।	2
11.	कोई तीन उत्तर अपेक्षित है -	**9**
	(क) कविता गायन में मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। जब तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरने लगता है या गायक अंतरे की जटिल तानों में उलझ जाता है तब संगतकार मुख्य गायक के स्वर में स्वर मिलाकर बिगड़ती हुई परिस्थिति को संभाल लेता है। वह अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ऊँचा नहीं जाने देता। यही उसकी विनम्रता है जो उसे विशिष्ट बनाती है।	3
	(ख) 'छाया मत छूना' कविता में 'छाया' शब्द भ्रम या दुविधा के अर्थ में आया है। जीवन में सुख और दुख दोनों की उपस्थिति होती है। बीते हुए समय में मिला सुख छाया की तरह है वर्तमान समय में उसे याद कर हम अपने दुख को और अधिक बढ़ा लेते हैं इसलिए कवि ने उसे छूने के लिए मना किया है।	3
	(ग) प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से ही सृजन संभव है। फसल को तैयार करने में करोड़ों किसानों के हाथों का श्रम होता है। किसानों के हाथों का स्पर्श पाकर ही फसल फलती-फूलती है मनुष्य का पोषण करती है।	3

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
	(घ) बादल पीड़ित-प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करने वाला है। वह नई कल्पना और नए अंकुर के लिए विध्वंस, विप्लव और क्रांति चेतना को संभव करने वाला भी है।	
12.	(क) (i) वीर रस	5
	(ii) दोहा-चौपाई छंद	
	(iii) 'बहु-बरनी', 'कछु कहहू', 'रिस रोकि', 'दुसह दुख', 'सूर समर', 'करनी करहिं कहि', 'कायर कथहिं' (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है)	
	(iv) लक्ष्मण परशुराम को संबोधित कर रहे हैं।	
	(v) अवधी	
	अथवा	
	(ख) (i) मन रूपी भौंरा	5
	(ii) छायावादी युग	
	(iii) आत्मकथात्मक शैली	
	(iv) 'कर कह', 'कौन कहानी', 'सुनकर सुख' - अनुप्रास अलंकार (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है)	
	(v) संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली	
13.	**दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं -**	**6**
(क)	(i) प्रस्तुत अवतरण में लेखिका मन्नू भंडारी के पिता के व्यक्तित्व की बात की जा रही है। गिरती आर्थिक स्थिति तथा अपने ही लोगों द्वारा धोखा दिए जाने के कारण उनके व्यक्तित्व की विशेषताएँ कम होती गईं।	2
	(ii) लेखिका के पिता अहंकारी थे। घर की आर्थिक स्थिति के बिगड़ने, नवाबी आदतों तथा इच्छाओं की पूर्ति न होने से पिता का सारा क्रोध माँ पर निकलता इसलिए माँ काँपती थरथराती रहती थीं।	2
	(iii) लेखिका के पिता पहले सब पर आसानी से विश्वास करते थे लेकिन जब अपने लोगों ने ही उनके साथ धोखा किया तो उनका स्वभाव शक्की हो गया। वे लेखिका तथा उनके भाई बहनों को भी शक की निगाह से देखते।	2
	अथवा	
(ख)	(i) कैप्टन की मृत्यु के बाद नेताजी की मूर्ति पर चश्मा पहनाने वाला कोई नहीं था। हालदार साहब बिना चश्मे के नेताजी की मूर्ति देखना नहीं चाहते थे इसलिए वह रूकना नहीं चाहते चाहते थे।	2

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
	(ii) नेताजी की मूर्ति पर लगा चश्मा देखकर हालदार साहब चीखे। उन्हें विश्वास हो गया कि अभी भी हमारे देश में देशभक्त हैं।	2
	(iii) हालदार साहब सच्चे देशभक्त हैं।	2
	वे संवेदनशील हैं।	
14.	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं - (प्रत्येक उत्तर में तीन बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित)**	**9**
(क)	(i) नवाब साहब की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया।	
	(ii) कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों।	
	(iii) खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हो।	
	(iv) संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया।	
	(किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित है) (1+1+1)	3
(ख)	फ़ादर बुल्के जिससे भी रिश्ता बनाते, उसे तोड़ते नहीं थे। जब भी वे दिल्ली आते लेखक से मिलने जरूर आते। परिवार के सभी सदस्यों का हालचाल पूछते। किसी भी उत्सव और संस्कार में बड़े भाई और पुरोहित की तरह खड़े हो सबको आशीर्वाद देते। (1+1+1)	3
(ग)	स्त्रियों का किया हुआ अनर्थ यदि पढ़ाने का ही परिणाम है तो पुरुषों का किया हुआ अनर्थ भी उनकी विद्या का ही परिणाम समझना चाहिए। मनुष्य की हत्या करना, डाके डालना, चोरी तथा रिश्वत लेना - ये सभी कार्य अधिकतर पुरुषों द्वारा ही किए जाते हैं तो सारे शिक्षा संस्थान बंद हो जाने चाहिए।	
(घ)	सच्चे इंसान, श्रेष्ठ शहनाई वादक, सादा जीवन उच्च विचार के सिद्धांत वाले, भारतीय संस्कृति के प्रति गहरा लगाव, हिंदू-मुस्लिम एकता के समर्थक, सर्वधर्म समभावी, संगीत साधना के प्रति पूर्ण समर्पित। (1+1+1)	3
	(इनमें से किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख करने पर पूरे तीन अंक दिए जाएँ)	
15.	(क) नई चीज़ की खोज़ करने वाले को संस्कृत व्यक्ति कहा जाता है। वह अपनी बुद्धि या विवेक से नए तथ्य का दर्शन कर संस्कृत व्यक्ति कहलाता है।	2
	(ख) मंझला कद, गोरा रंग, उम्र साठ साल से ऊपर, सफेद बाल, सफेद बालों से जगमग करता चेहरा।	
	कमर में एक लंगोटी और सिर पर कबीरपंथियों के समान कनफटी टोपी। सर्दियों में काली कमली ओढ़ते। (1½ +1½)	3

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
16.	कोई एक उत्तर अपेक्षित है –	
(क)	'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने हिरोशिमा की घटना का उल्लेख कर विज्ञान के भयानकतम दुरुपयोग की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। विज्ञान का दुरुपयोग जीवन के हर क्षेत्र में हो रहा है। शक्तिशाली देश बम विस्फोट कर छोटे-छोटे तथा विकासशील देशों पर कब्जा कर लेते हैं। आतंकवादी संगठन वैज्ञानिक अस्त्रों-शस्त्रों का प्रयोग कर अपनी हर बात मनवा लेते हैं। खेतों में कीटनाशक और जहरीले रासायनिक द्रव्य छिड़के जाते हैं। फसल की मात्रा अधिक होती है लेकिन पौष्टिक तत्व कम हो जाते हैं। विज्ञान के उपकरणों का प्रयोग करने से वातावरण में गरमी बढ़ जाती है। प्रदूषण बढ़ रहा है। बर्फ़ पिघलने से बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्राकृतिक आपदाएँ भयंकर रूप ले रही है। वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग सावधानी से करूँगा। प्रदूषण फैलाने वाली वस्तुओं का प्रयोग कम से कम करूँगा। आस-पास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने की कोशिश करूँगा। प्रकृति के सम्पर्क में अधिक समय सुख-सुविधाओं की कृत्रिम दीवारें तोड़कर (किन्हीं चार-चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) (2+2)	4
	अथवा	
(ख)	(i) सरकारी भवनों को रंगा तथा सजाया-सँवारा गया होगा। (ii) ऐतिहासिक तथा सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा किया गया होगा। (iii) सरकारी इमारतों पर लाइटें लगाईं गईं होंगी। (iv) सभी फव्वारों की सफाई की होगी। (v) बहुत समय से बंद पड़े फव्वारे भी चलाए गए होंगे। (vi) सड़कों को नया बनाया होगा। (vii) सड़कों के किनारे झंडे तथा पताकाएँ लगाईं गई होंगी। (viii) बाग-बगीचों को सुंदर बनाया गया होगा। (ix) स्थान-स्थान पर सुरक्षा का प्रबंध किया गया होगा (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) (2+2)	4

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
17.	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं -** (2+2+2)	6
(क)	(i) बौद्ध धर्म के अनुयायी की मृत्यु होने पर उसकी आत्मा की शांति के लिए पवित्र स्थान पर एक सौ आठ सफ़ेद पताकाएँ फहराई जाती हैं।	2
	(ii) किसी नए कार्य के आरंभ करने पर रंगीन पताकाएँ फहराईं जाती हैं। (1+1)	2
(ख)	जॉर्ज पंचम के नाक लग गई। जॉर्ज पंचम के ज़िंदा नाक लगाई गई यानी ऐसी नाक जो कहीं से भी पत्थर की नहीं लगती।	2
(ग)	माँ भोलानाथ के सिर पर बहुत सारा तेल मलतीं, काज़ल की बिंदी लगाकर चोटी गूँथतीं और उसमें फूलदार लट्टू बाँधकर रंगीन कुरता-टोपी पहनाकर उन्हें कन्हैया बना देतीं।	2
(घ)	रिपोर्ट को छापने से अंग्रेजी सरकार नाराज हो जाएगी। सरकार को नाराज करने का मतलब था अखबार का बंद हो जाना।	2

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2
कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'अ')

समय: 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	20
1.	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानूपर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**	
i)	स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है। शरीर अस्वस्थ होने पर हम बौद्धिक कार्य भी नहीं कर पाते हैं। सामने सुस्वादु व्यंजन देखकर कौन उनका सेवन नहीं करना चाहता है? घर में समस्त सुविधाएँ होने पर जिन्हें अति परहेज़ का भोजन करना पड़ता है, वे ही जानते हैं कि सकल पदारथ हैं जग माहीं। कर्महीन नर पावत नाहीं।। श्रमहीन शरीर की दशा जंग लगी हुई चाबी की तरह अथवा अन्य किसी उपयोगी वस्तु की तरह निष्क्रिय हो जाती है। शारीरिक श्रम वस्तुत: जीवन का आधार है, जीवंतता की पहचान है। योगाभ्यास में तो पहली शिक्षा होती है आसन आदि के रूप में शरीर को श्रमशीलता का अभ्यस्त बनाना।	
ii)	महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वह प्रत्येक आश्रम वासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है - बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुत: चोर है। महात्मा गांधी का समस्त जीवन दर्शन श्रम सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात रही है। दक्षिण कोरिया वासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।	
iii)	श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलन्त उदाहरण है, हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी। हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने से परहेज करता है वह यह नहीं सोचता है कि शारीरिक श्रम परिणामत: कितना सुखदायी होता है। पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल कितना, मधुर होता है। 'दिन अस्त और मज़दूर मस्त' इसका भेद जानने वाले महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगे। पसीना	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है, भूख भी लगती है और चैन की नींद भी आती है।	
iv)	हमारे समाज में शारीरिक श्रम न करना सामान्यत: उच्च सामाजिक स्तर की पहचान माना जाता है। यही कारण है कि ज्यों-ज्यों आर्थिक स्थिति में सुधार होता जाता है, त्यों-त्यों बीमारों व बीमारियों की संख्या में वृद्धि होती जाती है। इतना ही नहीं, बीमारियों की नई-नई किस्में भी सामने आती जाती हैं। जिस समाज में शारीरिक श्रम के प्रति हेय दृष्टि नहीं होती है, वह समाज अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ एवं सुखी दिखाई देता है। विकसित देशों के निवासी शारीरिक श्रम को जीवन का आवश्यक अंग समझते हैं। ऐसे उदाहरण भारत में ही मिल सकते हैं शत्रु दरवाजा तोड़ रहे हैं और नवाब साहब इंतज़ार कर रहे हैं जूते पहनाने वाली बाँदी का।	
	श्रमशील व्यक्ति स्वावलम्बी एवं स्वाभिमानी होता है। वह पूरे आत्मविश्वास के साथ कह सकता है –	
	कारि बहियाँ बल आपनी छाँड़ि बिरानी आस। जाके आँगन है नदी, सो कत मरत प्यास।	
	श्रमशीलता सहज उपलब्ध नदी के जल के समान है।	
	प्रश्न –	
i)	'स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।	1
ii)	जीवन का आधार क्या है और क्यों?	1
iii)	गांधी जी की नीतियों की उपेक्षा का परिणाम हम किस रूप में भोग रहे हैं?	1
iv)	श्रमशील समाज के व्यक्ति कैसा जीवन जीते हैं?	1
v)	श्रम का क्या महत्त्व है?श्रम के कोई दो लाभ लिखिए।	2
vi)	शिक्षित वर्ग की बेकारी का क्या कारण है?	1
vii)	'दिन अस्त और मजदूर मस्त' – अर्थ स्पष्ट कीजिए।	1
viii)	निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए –	1
	i) जीवंतता ii) विकसित	
ix)	चौथे अनुच्छेद में से 'इक' प्रत्यय वाले दो शब्द छाँटकर लिखिए।	1
x)	श्रमशील व्यक्ति में कौन-कौन से गुण स्वयं आ जाते हैं?	1
xi)	गद्यांश को उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
2.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुरगान जगती के मन को खींच-खींच निज छवि के रस से सींच-सींच जल कन्याएँ भोली अजान, सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुरगान प्रातः समीर से हो अधीर, छूकर पल-पल उल्लसित तीर, कुसुमावलि-सी पुलकित महान, सागर के उर पर नाच-नाच, करती, हैं लहरें मधुरगान संध्या-से पाकर रूचि रंग करती-सी शत सुर-चाप भंग हिलती नव तरु-दल के समान, सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुरगान करतल-गत कर नभ की विभूति, पाकर शशि से सुषमानुभूति तारावलि-सी मृदु दीप्तिमान, सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुरगान तन पर शोभित नीला दुकूल हैं छिपे हृदय में भाव फूल आकर्षित करती हुई ध्यान, सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुरगान हैं कभी मुदित, हैं कभी खिन्न, हैं कभी मिली, हैं कभी भिन्न, हैं एक सूत्र में बंधे प्राण सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुरगान	
(i)	इस कविता में लहरों को किस-किस रूप में चित्रित किया गया है?किन्हीं दो रूपों का उल्लेख कीजिए।	1
(ii)	'करती-सी शत सुरचाप भंग'- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।	1
(iii)	सागर-लहरें किस प्रकार लोगों के मन को अपनी ओर खींचती हैं?	1
(iv)	प्रातःकाल में लहरों का सौंदर्य कैसा होता है?	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(v)	कवि ने किन पंक्तियों में लहरों को युवती के रूप में चित्रित किया है उन्हें छाँटकर लिखिए।	1
(vi)	आपको लहरों का कौन सा रूप सबसे सुंदर लगा। उसे अपने शब्दों में लिखिए।	1
(vii)	हैं एक सूत्र में बँधे प्राण' - इस पंक्ति से कवि ने क्या संदेश दिया है?	2
	अथवा	
	रद्दी अखबारों की ढेरी-सा टूटे फूटे शीशे व टीन-सा युग की उपलब्धियों का - माल बिक सकता? कोई फेरी वाला गुहार लगाता आए, यह सब ले जाए, सारा-का-सारा कबाड़ उठ जाए, तो सजावट सुथरी होकर निखरे हर चीज़ सही तरतीब में लगे और सुथरे। युग की उपलब्धियों की इस ढेरी में टूटे-फूटे कनस्तर और डिब्बों जैसे- मुर्झाए हुए विश्वास, मैले-कुचैले जीर्ण-शीर्ण चिथड़ों सा- विकृत स्वाभिमान, टूटी फूटी बोतल-से टूटे हुए सपने, टूटे हुए बरतन सरीखे ये अर्ध सत्य - ये ही सब लगा हुआ रद्दी का अंबार, बेहद कूड़ा-कबाड़ निश्चय इस रद्दी का - खरीददार आएगा, माल इस बोरी में - भरकर ले जाएगा, डालेगा जाकर उस बड़े कारखाने में - जहाँ यह नया रूप, नए रंग लेकर ही निकलेगा। - (रमा सिंह)	
(i)	विश्वास और सत्य जैसे जीवन-मूल्यों की तुलना कवयित्री ने किन-किन वस्तुओं से की है?	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(ii)	उपलब्धियों के लिए कवयित्री ने किन दो उपमानों का प्रयोग किया है?	1
(iii)	कविता में युग की उपलब्धि और बड़ा कारखाना से क्या अभिप्राय है?	1
(iv)	कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।	2
(v)	''डालेगा जाकर उस............लेकर ही निकलेगा'' – इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।	2
(vi)	इस कविता को उचित शीर्षक दीजिए।	1
	खण्ड 'ख'	**15**
3.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें –**	10
क)	**वन और पर्यावरण**	
	संकेत बिंदु :	
	भूमिका : वन : प्रकृति की अनुपम देन, प्रकृति और मानव का अटूट संबंध, पर्यावरण संबंधी समस्याएँ और उपसंहार	
ख)	**कंप्यूटर : आज की आवश्यकता**	
	संकेत बिंदु :	
	प्रस्तावना, विश्व की तीसरी आँख कंप्यूटर की उत्पत्ति, संरचना, कंप्यूटर के लाभ एवं हानियाँ, उपसंहार	
ग)	**खेल और हमारा स्वास्थ्य**	
	प्रस्तावना, खेलों का महत्त्व, जीवन–कौशल की शिक्षा, विश्वस्तरीय खेलों का आयोजन और महत्त्व, उपसंहार	
4.	**आपका टेलीफोन लगभग दस दिन से खराब है। आपने महानगर टेलीफोन निगम की दोष सुधार सेवा विभाग में कई बार शिकायत दर्ज की किंतु परिणाम ज्यों का त्यों है। इसकी शिकायत करते हुए महानगर टेलीफोन निगम के प्रबंधक को एक पत्र लिखिए।**	5
	अथवा	
	आपने अपने विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन करवाया और आपकी इसमें सक्रिय भागीदारी रही। इस समारोह का अनुभव बताते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखें।	
	खण्ड 'ग'	**15**
5.	(i) **निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया-पद छाँटकर उनके भेद लिखिए –**	2
	(क) लक्ष्य पुस्तक पढ़ता है।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(ख) विभा गा रही है।	
	(ii) **(क)** माता पिता की बात .... सुननी चाहिए।	1
	(रिक्त स्थान की पूर्ति उचित क्रिया विशषण से किजिए एवं भेद बाईये)	
	(ख) खिला हुआ गुलाबी कमल बहुत सुंदर लग रहा है।	1
	(विशेषण शब्द छाँटिए तथा उसका भेद लिखिए)	
6.	**(iii) रेखांकित पदों का परिचय दीजिए-**	2
	(क) दिल्ली भारत की राजधानी है।	
	(ख) वह पत्र लिखता है।	
	अथवा	
	(ग) राम पुस्तक पढ़ेगा।	
7.	**(iv) निर्देशानुसार वाक्य बदलिए -**	3
	(क) तुम बस रुकने के स्थान पर चले जाओ। (मिश्रवाक्य में)	
	(ख) बच्चे ने खाना खाया और सो गया। (सरल वाक्य में।)	
	(ग) मैंने पाठ पढ़ा था। (रचना के आधार पर वाक्य भेद)	
8.	**(v) निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए -**	3
	(क) बच्चा नहीं पढ़ता। (भाव वाच्य में)	
	(ख) अमर पुरस्कार प्राप्त करता है। (कर्मवाच्य में)	
	(ग) छात्रों से कक्षा में पढ़ा जाता है। (कर्त्तृवाच्य)	
9.	**(vi) निम्नांकित पंक्तियों को ध्यान से पढ़कर अलंकारों के नाम लिखिए -**	3
	(क) आए महंत वसंत।	
	(ख) घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!	
	(ग) भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण-छाया मन छूना।	
	खण्ड 'घ'	**50**
10.	**निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**	
(क)	बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।	3

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।। इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।। देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।। भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।। सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।। बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहूँ पा परिअ तुम्हारें।। कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।	
(i)	लक्ष्मण ने कोमल स्वर में परशुराम पर क्या-क्या कहकर व्यंग्य किया है?	
(ii)	किस कारण से लक्ष्मण क्रोध को रोककर परशुराम के वचनों को सहन कर रहे हैं?	
(iii)	लक्ष्मण के कुल में किन-किन पर वीरता नहीं दिखाई जाती और क्यों?	
(ख)	तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य! चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य! इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क देखते तुम इधर कनखी मार और होतीं जब कि आँखें चार तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान मुझे लगती बड़ी ही छविमान!	3
(i)	दंतुरित मुसकान से क्या तात्पर्य है?	
(ii)	कवि ने अपने को प्रवासी, इतर और अतिथि क्यों कहा है?	
(iii)	कवि को बच्चे की मुसकान सबसे सुंदर कब लगती है?	
11.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (3+3+3)	9
(क)	क्या आप सूरदास के समान उद्धव को भाग्यशाली मानते हैं या नहीं?अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर सही तर्क देकर स्पष्ट करें?	
(ख)	'अट नहीं रही' कविता के आधार पर फागुन के सौंदर्य का चित्रण कीजिए जिसके आधार पर उसे अन्य ऋतुओं से भिन्न समझा जाता है।	
(ग)	आप अपने जीवन में मुख्य कलाकार की भूमिका निभाना पसंद करेंगे या संगतकार (सह कलाकार) की? तर्क सहित उत्तर दीजिए।	
(घ)	कवि गिरिजाकुमार माथुर ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
12.	**निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	5
(क)	पाँयनि नूपुर मंजु बजै कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई। साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई। माथु किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई। जै जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्रीबजदूलह 'देव' सहाई।।	
(i)	कवि का नाम लिखिए तथा बताइए कि कवि किस काल के हैं?	
(ii)	प्रस्तुत पंक्तियों में किसका वर्णन है?	
(iii)	काव्यांश की भाषा का नाम बताइए।	
(iv)	काव्य-पंक्तियाँ किस छंद में रची गई हैं।	
(v)	उन पंक्तियों को छाँटकर लिखिए जिनमें अनुप्रास और रूपक अलंकार का प्रयोग हुआ है।	
(ख)	विकल विकल, उन्मन थे उन्मन विश्व के निदाघ के सकल जन आए अज्ञात दिशा में अनंत के घन तप्त धरा, जल से फिर शीतल कर दो - बादल, गरजो।	
(i)	प्रस्तुत पंक्तियों में कवि किसे संबोधित कर रहे हैं?	
(ii)	यह गीत किस प्रकार का है?	
(iii)	ध्वनिवाचक शब्दों के प्रयोग से किस प्रकार का सौंदर्य उत्पन्न हुआ है?	
(iv)	काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?	
(v)	भाषा की विशेषता बताइए।	
13.	**निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**	6
(क)	उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ़ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिंदी वालों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर दुख करते उन्हें पाया है। घर-परिवार के बारे में, निजी दुख-तकलीफ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े से बड़े दुख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है। 'हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह।' मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है और फादर के शब्दों से झरी विरल शांति भी।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(i)	फादर को सबसे अधिक दुख किस बात पर होता था?	
(ii)	अवतरण के आधार पर फादर के चरित्र की दो विशेषताएँ बताइए।	
(iii)	फादर के मुख से निकले शब्द जादू का काम कैसे करते?उदाहरण देकर स्पष्ट करें।	
(ख)	इस दिन खाँ साहब खड़े होकर शहनाई बजाते हैं व दालमंडी में फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते जाते हैं। इस दिन कोई राग नहीं बजता। राग-रागिनियों की अदायगी का निषेध है इस दिन। उनकी आँखें इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की शहादत में नम रहती हैं। अज़ादरी होती है। हजारों आँखें नम। हज़ार बरस की परंपरा पुनर्जीवित। मुहर्रम संपन्न होता है। एक बड़े कलाकार का सहज मानवीय रूप ऐसे अवसर पर आसानी से दिख जाता है।	
(i)	प्रस्तुत अवतरण में किस दिन की बात की जा रही है? उस दिन खाँ साहब क्या करते हैं? और क्यों?	
(ii)	इस विशेष दिन कोई राग क्यों नहीं बजाया जाता?	
(iii)	अवतरण के आधार पर खाँ साहब के चरित्र की दो विशेषताएँ बताइए।	
14.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (3+3+3)	9
(क)	स्त्रियों को पढ़ाना अनिवार्य है - इस कथन के पक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए। इसके लिए आप शिक्षा प्रणाली में क्या-क्या परिवर्तन करना चाहेंगे? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।	
(ख)	'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक यशपाल ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?	
(ग)	नेता जी की मूर्ति लगाने के कार्य को सफल और सराहनीय प्रयास क्यों कहा गया? दो कारण बताइए। मूर्ति में किस एक चीज की कमी थी?	
(घ)	मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है आप उसे उसकी संस्कृति कहेंगे या असंस्कृति? तर्क सहित उत्तर दीजिए।	
15.	**(क) लेखिका मन्नू भंडारी अपनी माँ को अपना आदर्श क्यों नहीं बना सकी? किन्हीं तीन कारणों का उल्लेख कीजिए।**	3
	(ख) 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बताइए कि कैसे आदमियों पर ज्यादा नजर रखनी चाहिए और क्यों?	2
16.	**किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए -**	4
(क)	'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि जितेन नाग्रे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जन-जीवन के बारे में क्या-क्या जानकारियाँ दी, उन्हें लिखिए।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(ख)	दुलारी विशिष्ट कहे जाने वाले सामाजिक सांस्कृतिक दायरे से बाहर है फिर भी अति विशिष्ट है – इस कथन को ध्यान में रखते हुए दुलारी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।	
17.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए –** (2+2+2)	6
(क)	'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि भीतरी विवशता क्या होती है? लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए किसकी चर्चा की?	
(ख)	फेंकू ने साड़ी न ला सकने की क्या मजबूरी बताई?	
(ग)	जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करना चाहता है।	
(घ)	'माता का अँचल' पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ में इसकी क्या वजह हो सकती है?	

अंक योजना
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2
कक्षा-दसवीं
हिंदी (पाठ्यक्रम-'अ')

समय: 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड 'क'	
1.	**अपठित गद्यांश -**	
(i)	स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है कथन का अभिप्राय है कि यदि हमारा शरीर स्वस्थ है तभी मन में भी अच्छे और पवित्र भाव एवं विचार उत्पन्न होंगे।	1
(ii)	जीवन का आधार शारीरिक श्रम है क्योंकि श्रम ही जीवन की पहचान है और इसके बिना व्यक्ति का जीवन निष्क्रिय हो जाता है।	1
(iii)	गांधी जी की नीतियों की उपेक्षा का परिणाम हम इस रूप में भोग रहे हैं कि न गरीबी कम होने में आती है न ही बेरोज़गारी/अपराधों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।	1
(iv)	श्रमशील समाज के व्यक्ति सदैव उन्नत एवं समृद्धिभरा जीवन जीते हैं।	1
(v)	श्रम का महत्व यह है कि इससे मन को संतुष्टि और शरीर को सुख की प्राप्ति होती है, इसका परिणाम सदैव सुखदायी होता है। इसके दो लाभ हैं कि इससे शरीर कभी रोगग्रस्त नहीं होता और सदैव व्यक्ति आत्मविश्वासी बना रहता है। 1+1	
(vi)	शिक्षित वर्ग की बेकारी का कारण यह है कि आज वह कठिन श्रम के कार्य करना उचित नहीं समझता उसे हेय दृष्टि से देखता है।	1
(vii)	'दिन अस्त और मज़दूर मस्त' से यह अभिप्राय है कि दिन भर कठोर परिश्रम करने वाले व्यक्ति को ही वास्तविक सुख एवं संतुष्टि का अनुभव होता है।	1
(viii)	(i) प्रत्यय-ता	½
	(ii) प्रत्यय-इत	½
(ix)	शारीरिक, सामाजिक (½ + ½)	1
(x)	श्रमशील व्यक्ति में स्वाभिमान, स्वावलंबन आत्मविश्वास आदि गुण आ जाते हैं।	1
(xi)	श्रमशीलता : सुदृढ़ जीवन का आधार।	1

प्र.सं.		संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
2.	(i)	इस कविता में लहरों को नृत्य करती बालाओं/जल कन्याओं / कुसुमावलि / तारावलि और एक युवती के रूप में चित्रित किया गया है। [किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है।] (½ + ½)	1
	(ii)	सागर लहरों पर सूर्य किरणों की लालिमा पड़ने से सौ सौ इंद्रधनुषों की शोभा भी उसके सम्मुख फीकी पड़ जाती है।	1
	(iii)	सागर की लहरें अपनी मधुर ध्वनि, अपनी चंचलता एवं अनुपम सौन्दर्य के कारण सभी को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।	1
	(iv)	प्रात:काल के समय लहरें, उल्लसित होकर किनारों का स्पर्श करती है, 'पुष्पों के समान खिल उठती हैं।'	1
	(v)	वे पंक्तियाँ हैं – तन पर शोभित नीला दुकूल हैं छिपे हृदय में भाव फूल	1
	(vi)	जल कन्याओं के समान/कुसुमावलि के समान/नव तरु दल के समान/तारावलि सी/युवती के समान किसी एक का भी वर्णन छात्र कर सकता है।	1
	(vii)	इस पंक्ति से कवि ने यह संदेश दिया है कि अनेक लहरें समुद्र से भिन्न होते हुए भी उनसे अभिन्न हैं इसी प्रकार इस सृष्टि के अनेक प्राणी भिन्न होते हुए भी उसी विराट का ही एक अंश हैं।	2
		अथवा	
	(i)	विश्वास और सत्य जैसे जीवन-मूल्यों की तुलना कवयित्री ने टूटे फूटे कनस्तर व डिब्बों तथा टूटे हुए बरतनों से की है।	1
	(ii)	उपलब्धियों के लिए कवयित्री ने रद्दी अखबारों की ढेरी और टूटे फूटे शीशे व टीन इन दो उपमानों का प्रयोग किया है।	1
	(iii)	युग की उपलब्धि अर्थात् जो कुछ प्राप्त करते हैं कारखाना अर्थात् संसार।	1
	(iv)	कविता का मूल भाव यह है कि पुराने जीवन मूल्य वर्तमान समय में अपनी सार्थकता खो बैठे हैं।	2
	(v)	प्रस्तुत पंक्तियों का मूल भाव यह है कि जो कुछ भी हम अपने समय अपने युग में प्राप्त करते हैं साहित्यकार और युग-निर्माता उसी को नए रूप में ढालते हैं और जनता को वही मान्य होता है।	2

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(vi) कविता का उचित शीर्षक है – युग की उपलब्धियाँ।	1
	खण्ड 'ख'	
3.	**निबंध-लेखन**	
(क)	(i) भूमिका	1
	(ii) विचार बिंदुओं का विषयानुरूप विवेचन	6
	• वन: प्रकृति द्वारा दिया गया अनमोल उपहार	
	• मनुष्य अपनी समस्त आवश्यकताओं के लिए प्रकृति पर निर्भर	
	• प्रकृति व मनुष्य का अटूट संबंध	
	• अपने स्वार्थ के लिए वनों का अंधाधुंध दोहन	
	• पर्यावरण संबंधी प्रमुख समस्याएँ	
	• इन समस्याओं का प्रमुख कारण	
	• विद्यार्थी के परिवेश के सभी उदाहरण स्वीकार्य हों।	
	(छह बिन्दुओं पर पूरे छह अंक दिए जाएँगे तथा विद्यार्थी के अपने मौलिक विचार भी स्वीकार किए जाएँ।)	
	(iii) उपसंहार	1
	(iv) भाषा-शैली	2
(ख)	विचार-बिंदु	
	• कंप्यूटर की उत्पत्ति	
	• इसकी उत्पत्ति के कारण	
	• कंप्यूटर की संरचना	
	• कंप्यूटर के घटक	
	• इससे होने वाले लाभ – कई घंटों का काम मिनटों में	
	• इसके दुष्प्रभाव-नेत्रों पर दुष्प्रभाव, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ	
	• कंप्यूटर विश्व की तीसरी आँख	
	• उपसंहार	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(छह बिन्दुओं पर पूरे छह अंक दिए जाएँगे तथा विद्यार्थी के अपने मौलिक विचार भी स्वीकार किए जाएँ।)	
(ग)	खेलों का महत्व – तन्दुरूस्ती हज़ार नियामत स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास, जीवन में प्रतिस्पर्धा एवं प्रतियोगिता की भावना, स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास	
	जीवन कौशलों की शिक्षा	
	विश्व स्तरीय खेलों का आयोजन	
4.	**पत्र-लेखन**	5
	(i) पत्र औपचारिकताओं के लिए	1½
	(ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री	2½
	• दैनिक कार्यों में व्यवधान	
	• जीवन रूका सा प्रतीत होना	
	• आवश्यक संदेश समय पर उपलब्ध न हो पाना	
	(iii) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति	1
	अथवा	
	(i) पत्र औपचारिकताओं के लिए	1½
	(ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री	2½
	• वृक्षारोपण कार्यक्रम का संचालक बनाया जाना	
	• समय, तिथि निर्धारित करना	
	• मुख्य अतिथि का चुनाव	
	• आमंत्रित करना	
	• स्थान निश्चित करना	
	• पौधे मंगवाना	
	• विद्यार्थियों की टीम बनाना	
	(iii) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति	1
उत्तर		
5.	(i) (क) पढ़ता है – सकर्मक क्रिया / संयुक्त क्रिया।	2

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ख) गा रही है - अकर्मक क्रिया / संयुक्त क्रिया।	
	(क) ध्यानपूर्वक - रिति वाचक क्रिया विशेषण	
	(ख) विशेषण शब्द - गुलाबी भेद - गुणवाचक विशेषण	
6.	पद-परिचय	
	(क) दिल्ली - व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग।	2
	(ख) वह - पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, कर्त्ताकारक, 'लिखता है' क्रिया का कर्त्ता।	
	अथवा	
	(ग) पढ़ेगा - सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भविष्यत्काल, कर्तृवाच्य,	
7.	(iv) वाक्य परिवर्तन	3
	(क) मिश्रवाक्य - तुम वहाँ चले जाओ, जहाँ बस रुकती है।	
	(ख) सरलवाक्य - बच्चा खाना खाकर सो गया।	
	(ग) सरल वाक्य।	
8.	(v) वाच्य परिवर्तन	3
	(क) भाववाच्य - बच्चे से पढ़ा नहीं जाता।	
	(ख) कर्मवाच्य - अमर द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया जाता है।	
	(ग) कर्तृवाच्य - छात्र कक्षा में पढ़ते हैं।	
9.	(vi) अलंकार	3
	(क) रूपक अलंकार।	
	(ख) अनुप्रास अलंकार।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ग) उपमा अलंकार।	
	खंड 'घ'	
10.	**किसी एक काव्यांश पर आधारित उत्तर अपेक्षित हैं:**	
(क)	(i) परशुराम अपने आपको बड़ा भारी योद्धा मानते हैं। बार-बार फरसा दिखाकर डराना चाहते हैं। फूँक मारकर पहाड़ उड़ाना चाहते हैं। (1+1)	2
	(ii) परशुराम भृगुकुल के वंशज हैं। उन्होंने यज्ञोपवीत जनेऊ धारण किया है। इस कारण से लक्ष्मण क्रोध को रोककर परशुराम के वचनों को सहन कर रहे हैं। (1+1)	2
	(iii) देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त और गाय - इन पर वीरता नहीं दिखाई जाती। (1+1) इन्हें मारने से पाप लगता है और इनसे हार जाने पर अपकीर्ति होती है।	2
(ख)	(i) शिशु के नए-नए निकले दाँतों से झलकती मुसकान को दंतुरित मुसकान कहा है।	2
	(ii) कवि घर से बाहर दूसरे स्थान पर रहने के कारण प्रवासी, शिशु के लिए अनजान तथा शिशु ने पहली बार देखा इसलिए वह अतिथि है।	2
	(iii) जब बच्चा तिरछी निगाह से कवि की ओर देखता है उसकी निगाहें कवि की निगाहों से मिलती है तब उसकी दंतुरित मुसकान सबसे सुंदर लगती है।	
11.	**कोई तीन उत्तर अपेक्षित हैं :** (3+3+3)	9
(क)	मैं सूरदास के समान उद्धव को भाग्यशाली नहीं मानती। उद्धव कृष्ण के समीप रहकर भी उनके प्रेम से अनासक्त रहे। उद्धव ज्ञान और योग के समर्थक थे उनका मन स्थिर नहीं था। कृष्ण के प्रेम रस में डूबी गोपियों ने अपने जीवन को सार्थक बनाया। (अन्य तर्कों पर भी अंक दिए जाएं)	3
(ख)	'अट नहीं रही है' कविता फागुन की मादकता को प्रकट करती है। सभी ऋतुओं का लोगों के मन तथा जीवन पर प्रभाव पड़ता है लेकिन फागुन का प्रभाव सबसे अधिक पड़ता है। इसकी शोभा सर्वव्यापक दिखाई पड़ती है। सारा वातावरण सुगंध से भर जाता है। यह वातावरण मन में कल्पना और उत्साह का संचार करता है। सृष्टि का कण-कण उत्साह व उमंग से भर जाता है। फागुन मौज-मस्ती तथा उमंग लेकर आता है। मुरझाए हुए मन तथा चेहरे खिल जाते हैं।	3
(ग)	मैं अपने जीवन में संगतकार की भूमिका निभाना चाहूँगी। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। कोई भी अकेला रहकर श्रेष्ठ स्थान पर नहीं पहुँच सकता। मानवता यही संदेश देती है कि सहयोग की भावना से ही कार्य में सफलता मिलती है। (अन्य तर्कों पर भी पूरे अंक दिए जाए)	3
(घ)	जीवन में सुख और दुख दोनों की उपस्थिति है। सुख में आशा, आकांक्षा, चाँदनी और सुखद कल्पनाएँ	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	हैं तथा दुख में निराशा, अंधकार और अप्रिय घटनाएँ हैं। सुख तथा दुख जीवन के दो पहलू हैं कभी दुख तथा कभी सुख का सामना करना पड़ता है। विगत के सुख को यादकर वर्तमान के दुख को और गहरा करना उचित नही। विगत की सुखद काल्पनिकता से चिपके रहकर वर्तमान से पलायन की अपेक्षा कठिन यथार्थ को पूजना ज्यादा अच्छा है।	3
12.	**दो काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं -**	5
(क)	(i) देव, रीतिकाल	
	(ii) कृष्ण के राजसी रूप सौंदर्य का वर्णन है	1
	(iii) ब्रजभाषा	1
	(iv) सवैया छंद	1
	(v) ‘कटि किंकिनि कै’, ‘पट-पीत’, ‘हिये हुलसै’, ‘जै जग’ (इनमें से किसी एक उदाहरण पर अंक दिए जाए) जग-मंदिर-दीपक	½ ½
(ख)	(i) बादल	1
	(ii) आह्वान गीत	1
	(iii) नाद-सौंदर्य	1
	(iv) संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली	1
	(v) भाषा अलंकृत है, तत्सम शब्दावली का प्रयोग (½ + ½)	1
13.	**दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं -**	
(i)	फ़ादर हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की इच्छा रखते थे। हिंदी वाले जब हिंदी की उपेक्षा करते तो फ़ादर को सबसे अधिक दुख होता था।	2
(ii)	फ़ादर हिंदी-प्रेमी थे। (1+1) वे संवेदनशील थे। वे शांत स्वभाव के थे (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है।)	2
(iii)	बड़े से बड़े दुख में भी फ़ादर के मुख से निकले सांत्वना भरे शब्द जादू का काम करते। जब लेखक की पत्नी और पुत्र की मृत्यु हुई तब फ़ादर द्वारा कहे गए शब्द - ‘हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह’ नई प्रेरणा देने वाले थे। फ़ादर के मुख से निकले शब्द मन को शांत करते।	2
(ख)	(i) मुहर्रम, उस दिन खाँ साहब आठ किलोमीटर तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते जाते। कोई	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	राग नहीं बजता। मुहर्रम के महीने में शोक मनाते हैं। (1+1)	2
	(ii) मुहर्रम के दिनों में पूर्ण दस दिनों का शोक मनाया जाता है। खाँ साहब के परिवार का कोई व्यक्ति न शहनाई बजाता, न ही संगीत कार्यक्रम में हिस्सा लेता। इन दस दिनों में से आठवाँ दिन विशेष है। इस दिन राग-रागिनियों को बजाने की मनाही है।	2
	(iii) खाँ साहब श्रेष्ठ शहनाई वादक थे। वे बड़े कलाकार थे। वे संवेदनशील थे। वे धार्मिक थे। (किन्हीं दो विशेषताओं पर अंक दिए जाएं।)	
14.	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं -** (3+3+3)	9
	(प्रत्येक उत्तर में तीन बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित है)	
(क)	स्त्रियों को पढ़ाना अनिवार्य है। स्त्री का अपना व्यक्तित्व है जो शिक्षा से और खिलेगा। स्त्री बराबरी के साथ समाज के हर काम में हिस्सा ले पाएगी और आज़ाद महसूस करेगी! स्कूलों को इस लायक बनाया जाये कि लडकियाँ अधिक संख्या में आराम से पढाई कर सकें लडकियों के लिए विशेष सुविधाओं का इंतजाम! पाठ्यक्रम और किताबों में भी लड़कियों का प्रतिनिधित्व (अन्य तर्कों पर भी अंक दिए जाएं) (1+2)	3
(ख)	(i) लेखक को ज्यादा दूर नहीं जाना था। (ii) वे एकांत में नई कहानी के बारे में सोचना चाहते थे। (iii) वे खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखना चाहते थे। (iv) गाड़ी चलने वाली थी।	
(ग)	(i) नेता जी की मूर्ति को देखकर लोगों में देश-प्रेम की भावना उत्पन्न होती।	3
	(ii) मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो...' नारे याद आने लगते। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(iii) मानव की जो योग्यता उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है वह उसकी असंस्कृति है। जो कार्य मानव कल्याण के लिए किया जाता है वही संस्कृति कहलाती है।	3
15.		
(क)	(i) माँ अनपढ़ थीं। (ii) वे पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य समझतीं। (iii) वे बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश को पूरा करतीं। (iv) बच्चों की ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर सहज भाव से स्वीकार करतीं। (v) उन्होंने जिंदगी भर कुछ माँगा नहीं, केवल दिया ही दिया। (किन्हीं तीन कारणों का उल्लेख करने पर पूरे अंक दिए जाएं)	3
	(ख) जो सुस्त और बोदे-से होते हैं उन पर ज्यादा नजर रखनी चाहिए क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। (1+1)	2
16.	**किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है -**	4
(क)	सिक्किम सुंदर प्रदेश है। चारों तरफ घाटियाँ ही घाटियाँ हैं। सभी घाटियाँ फूलों से लदी हैं पाईन और धूपी के खूबसूरत नुकीले पेड़ हैं। वहाँ के लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं। यहाँ के लोग परिश्रमी होते हैं। पहाड़ी औरते बहुत परिश्रम करती हैं। उन्हें पत्थर तोड़ने पड़ते हैं वे शरीर से कोमल पर हाथों में कुदाल और हथौड़े होते हैं। औरतों की पीठ पर बँधी टोकरी में उनके बच्चे बंधे होते हैं। पहाड़ी जीवन कठोर होता है। बच्चे स्कूल जाने के साथ-साथ शाम के समय मवेशी चराते हैं। जंगल से लकड़ियों के भारी-भारी गट्ठर ढोकर लाते हैं। (किन्हीं चार बिंदुओं के उल्लेख पर पूरे अंक दिए जाएं।)	
(ख)	दुलारी कहानी की मुख्य पात्रा - (i) मधुर गायिका - दुलारी का स्वर बहुत मधुर है। वह कजली गाने में निपुण। (ii) प्रतिभाशाली कवयित्री - मधुर आवाज़ के साथ-साथ तीव्र बुद्धि। स्थिति के अनुसार पद तैयार कर सबको आश्चर्यचकित कर देती। (iii) निडर एवं स्वाभिमानिनी - शारीरिक रूप से हृष्ट-पुष्ट, सुख-सुविधा देने वाले फेंकू सरदार की झाड़ू से खबर लेती है स्वाभिमान से जीवन व्यतीत करती। (iv) सच्ची प्रेमिका - टुन्नू की मृत्यु का शोक मनाती है उसके द्वारा दी गई खद्दर की साड़ी भी पहनती है। (1+1+1+1)	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
17.	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं -** (2+2+2) (क) किसी भी दृश्य या घटना को देखकर या सुनकर मन के भीतर जो छटपटाहट होती है वही भीतरी विवशता है जब तक कवि या लेखक उसे शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त नहीं करता तब उसे शांति नहीं मिलती। लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए हिरोशिमा पर लिखी कविता की चर्चा की। (ख) रोजगार मंद पड़ गया। वह तीज़ पर बनारसी साड़ी जरूर दिलाएगा। (ग) सन् 1942 में जिन बच्चों ने अपना बलिदान दिया, उन बच्चों का मान-सम्मान जॉर्ज पंचम से भी अधिक था। (घ) बच्चे को माँ की शरण में प्रेम और शांति मिलती है। माँ के आँचल में आकर उसे यही महसूस होता है कि उसे सब मुसीबतों से छुटकारा मिल जाएगा। (अन्य तर्क पर भी अंक दिए जाएँ)	6